जयपुर में 75 ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना ठंडे बस्ते में पड़ी

वर्ष 2020 में प्रस्तावित थी जयपुर विकास प्राधिकरण की योजना, परंतु पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने इस प्रोजेक्ट पर कोई काम ही नहीं किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । केंद्र सरकार जहां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, वहीं जयपुर में इस दिशा में ठोस प्रगति नहीं दिख रही है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा वर्ष 2020 में प्रस्तावित 75 ईवी चार्जिंग स्टेशन की योजना 5 साल बीतने के बावजूद भी अमल में नहीं आ सकी है और फिलहाल कोई नई योजना भी सामने नहीं है।

■ हैरानी की बात है कि टैंडर प्रक्रिया तक पूरी होने के बावजूद जेडीए अधिकारियों ने इस प्रोजेक्ट पर काम नहीं किया, बीते 5 साल में यह प्रोजेक्ट पांच कदम भी आगे नहीं बढ़ा

हालांकि, शहर में जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (जेसीटीएसएल) ने प्रयोग के तौर पर इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया है।

इसी को ध्यान में रखते हुए जेसीटीएसएल और जेडीए के संयुक्त प्रयास से चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की चर्चा शुरू हुई है। हाल ही में ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड (टीसीबी) की बैठक में रामनिवास बाग, दांतली ओवरब्रिज और महात्मा गांधी अस्पताल ओवरब्रिज के नीचे चार्जिंग स्टेशन विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। परंतु फिलहाल चार्जिंग स्टेशन निर्माण की कोई ठोस योजना सामने नहीं आ पायी है।

गौरतलब है कि वर्ष 2020 में जेडीए प्रशासन ने जयपुर शहर में 75 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई थी। इसके तहत राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट लिमिटेड (आरईआईएल) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर जमीन उपलब्ध करवाई जानी थी। टैंडर प्रक्रिया तक पूरी होने के बावजूद अधिकारियों ने इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

तत्कालीन योजना के अनुसार, प्रत्येक स्टेशन 6 से 8 वाहनों को एक साथ चार्ज करने में सक्षम होना था और इसके लिए 100 से 800 वर्गफीट तक जमीन की आवश्यकता थी। जयपुर शहर में फास्ट और स्लो दो प्रकार के चार्जिंग स्टेशन प्रस्तावित थे। जानकारों की मानें तो वर्तमान में जयपुर में 5000 से अधिक इलेक्ट्रिक कारें और 15 हजार से ज्यादा दुपहिया वाहन हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चार्जिंग सुविधाओं के अभाव में लोग ईवी अपनाने से हिचक रहे हैं।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को सजा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 16 साल की पीडिता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले ओमप्रकाश को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के पिता ने 19 नवंबर, 2022 को सांभरलेक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 16 साल की बेटी सुबह स्कूल के लिए निकली थी। रास्ते में अभियुक्त मिला और उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर अपने साथ कार में ले गया। दोपहर को पीडिता बेसुध वापस आई और अपने साथ हुए दुष्कर्म के बारे में बताया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन अभियुक्त उसे बेहोश कर एक होटल में ले गया था। जहां उसने उसे अपनी पत्नी बताकर कमरा लिया। यहां अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वापस उसे घर के पास छोड गया।

कांग्रेस ने सिस्टम को लूटा, व्यवस्थाओं का दम घोंटा : मंत्री गजेन्द्र खींवसर

कोविड जैसी आपदा को कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने लूट का अवसर बनाया : चिकित्सा मंत्री

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने पूर्व चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा की प्रेस कॉन्फ्रेंस को तथ्यों से कोसों दूर बताते हुए कहा है कि यह बयानबाजी सच्चाई छुपाने और अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने का असफल प्रयास है। जिनके समय में सिस्टम को लूटा गया, व्यवस्थाओं का दम घोंटा गया, कोरोना जैसी आपदा को अवसर बना लिया गया, वे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। जनता के साथ अन्याय करने वालों को ऐसी बयानबाजी शोभा नहीं देती।

चिकित्सा मंत्री ने कहा है कि जिनके कार्यकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम पर था, वे आज नैतिकता की बात कर रहे हैं, यह जनता के साथ मजाक है। कौन नहीं जानता कि कोरोना जैसी आपदा में किस तरह लोगों को लूटा गया। दवा, मशीनों और उपकरणों की खरीद में किस तरह के घोटाले हुए। घोटालों की हद यह हो गई कि पूर्व मंत्री को स्वास्थ्य मंत्रालय से हटाना पड़ा।

मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने आरजीएचएस जैसी योजना को बिना तैयारी, बिना नियंत्रण और बिना जवाबदेही के लागू कर सरकारी खजाने को लूट का खुला माध्यम बना दिया गया था। पूर्व सरकार के समय फर्जी बिल, बिना मरीज इलाज, अनावश्यक और महंगी दवाओं के जरिए करोड़ों रुपये के क्लेम उठाए गए, क्या यही उनकी मॉडल हैल्थ व्यवस्था थी? आज जब हमारी सरकार उन गड़बड़ियों की जांच कर रही है, एफआईआर दर्ज कर रही है और वसूली कर रही है, तब विपक्ष को तकलीफ हो रही है।

खींवसर ने कहा कि पूर्व सरकार ने बिना पार्किंग, बिना विशेषज्ञ सलाह, बिना बजट के बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए-यह उनकी जल्दबाजी और दिखावे की राजनीति थी। हमारी सरकार ने इन्हें बंद नहीं किया, बल्कि सुधार कर आगे बढ़ाया-यही जिम्मेदारी है। आईपीडी टॉवर बिना प्लानिंग का ही स्मारक था। हमारी सरकार अतिरिक्त बजट और सुविधाएं बढ़ाकर इसे बेहतर योजना के साथ पूरा कर रही है।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 तक प्रदेश में 8 ही मेडिकल कॉलेज थे। मेडिकल कॉलेजों की स्थापना केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत की जाती है। केंद्र में जब मोदी सरकार बनी तो उन्होंने हर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सोच के साथ नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी। उसका परिणाम रहा कि 2016 के बाद 23 नए मेडिकल कॉलेज राजस्थान में शुरू हुए। अगर कांग्रेस की नीतियों से ही इतने मेडिकल कॉलेज खुले होते तो राजस्थान में 2016 तक 8 ही मेडिकल कॉलेज नहीं होते।

उन्होंने कहा कि, जिला अस्पतालों को रैफरल सेंटर बताना और ऑक्सीजन प्लांट्स पर सवाल उठाना साफ तौर पर झूठ फैलाने का प्रयास है। हकीकत यह है कि पिछली सरकार के समय 49 जिला अस्पताल थे, अब 63 हैं। स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में बदलकर 7 से बढ़ाकर 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की गई हैं। सीएचओ की भर्ती से उप स्वास्थ्य केंद्रों में भी प्रभावी रूप से सेवाएं मिल रही हैं। टेलीमेडिसिन की सुविधा से लोगों को उपचार लेने में आसानी हुई है। गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि, कांग्रेस सरकार ने भर्ती के नाम पर सिर्फ विज्ञापन निकाले थे, इसलिए स्टाफ के अभाव में उस समय जिला या उससे निचले स्तर के अस्पताल सिर्फ रेफरल सेंटर थे। हमने दो साल में ही 35 हजार पदों पर भर्तियां की, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों तक स्वास्थ्य संस्थान सुचारू रूप से चल रहे हैं। कांग्रेस सरकार के समय विशेषज्ञों की नियुक्ति के अभाव में ज्यादातर ट्रोमा और एफआरयू सेंटर बंद पड़े थे।

मोबाइल टावर का सामान चुराने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर । सेज थाना पुलिस ने कलवाड़ा स्थित एयरटेल वेयरहाउस में हुई मोबाइल टावर के सामान की बड़ी चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई एक लग्जरी क्रेटा कार भी बरामद की है। इस मामले में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 17 नवंबर 2025 को महिंद्रा सेज स्थित एयरटेल के गोदाम (भारती हेक्साकॉम लिमिटेड) में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर चोरी की गई थी। आरोपियों ने वेयरहाउस के सिक्योरिटी गार्डों के साथ मिलकर सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ की और उन्हें बंद कर दिया। इसके बाद बिना किसी पूछताछ के अज्ञात व्यक्तियों को गोदाम में प्रवेश दिया गया। जिन्होंने टावर से जुड़ा कीमती सामान पार कर दिया। मामले को लेकर वेयरहाउस प्रबंधक समीर मलिक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और गहन पूछताछ के बाद आयुष तिवारी और शिवा सिंह गिरफ्तार किया है। दोनो ही आरोपित बंथरा जिला लखनऊ (यूपी) रहने वाले हैं

पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त क्रेटा कार को जब्त कर लिया है। इससे पूर्व पुलिस हिमांशु, अजय प्रताप सिंह, शुभम सिंह और अन्य) को गिरफ्तार कर एक लोडिंग वाहन जब्त कर चुकी है। थानाधिकारी उदय सिंह ने बताया कि अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

'समाज की प्रगति में महिलाओं की भागीदारी जरूरी'

जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ (रुवा) के स्वर्ण जयंती समापन समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित शैक्षिणक, सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोहों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से स्मरणीय बना दिया।

मुख्य अतिथि शुभ्रा सिंह, आईएएस ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका निरंतर सशक्त हो रही है और समाज की प्रगति में उनकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मनरेगा योजना में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बताया। साथ ही उन्होंने अंगदान जैसे मानवीय कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आव्हान करते हुए नागरिकों को जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि शिखा मेहरा, आईएएस ने कहा कि रुवा ने विगत वर्षों में महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। यह संगठन समाज में सकारात्मक परिवर्तन का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय की कुलपति एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो. अल्पना कटेजा ने अपने संदेश के माध्यम से आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ रुवा गीत एवं स्वागत उद्बोधन से हुआ। अध्यक्ष प्रो. अमला बत्रा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात प्रो. लाड कुमारी जैन ने रुवा की 50 वर्षों की उपलब्धियों एवं प्रेरणादायक यात्रा का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान रुवा की पत्रिका का विमोचन किया गया। साथ ही प्रो. रश्मि जैन, प्रो. जया चक्रवर्ती, प्रो. अंशु डांडिया एवं प्रो. गीता चतुर्वेदी को सम्मानित किया गया। रुवा की सचिव प्रो. उर्मिल तलवार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ का स्वर्ण जयंती समारोह गुरूवार को संपन्न हुआ।

सार-समाचार

पैंशन विरोधी कानून के खिलाफ ज्ञापन

जयपुर । पैंशन विरोधी कानून के विरोध में देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरूवार को जिले के पैंशनरों ने कलक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। इस अवसर पर सभी उपशाखाओं के सैकड़ों पैंशनर्स ने कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया और प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपा। राजस्थान पेंशनर समाज के प्रदेश महामंत्री किशन शर्मा ने बताया कि सरकार ने वित विधेयक के माध्यम से पैंशनरों को दो भागों में विभाजित कर दिया और 1972 से पेंशन व पेंशन नियमों में बदलाव का अधिकार लेकर पेंशनरों के हितों पर कुठाराघात किया है इसके साथ ही न्यायालय में जाने जा अधिकार भी समाप्त कर दिया है। आठवें वेतनमान आयोग में भी पेंशनरों के हितों की अनदेखी की गई है। इस अवसर पर आयोजित सभा को राजस्थान पेंशनर समाज के प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर, प्रदेश महामंत्री किशन शर्मा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक सिंह चंदेल जिलाध्यक्ष जी.के. मीणा, महामंत्री मदन लाल शर्मा व सभी उपशाखा अध्यक्षों ने संबोधित किया। इस अवसर पर मुरलीपुरा, झोटवाड़ा, विद्याधरनगर, वैशाली नगर, मान सरोवर, प्रतापनगर, मालवीय नगर, सांगानेर और सोडाला के पैंशनर शामिल हुए।

ईशा अरूण को पीएचडी की उपाधि

जयपुर । एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान ने ईशा अरुण को क्लिनिकल साइकोलॉजी विषय में पीएचडी उपाधि प्रदान की है। ईशा ने ''एक्ज़ामिनिंग द रोल ऑफ सेल्फ अफर्मेशन एंड पर्सनैलिटी इन द डेवेलपमेंट ऑफ सेल्फ एफिकेसी,होप,ऑप्टीमिज़म एंड रेज़िलियन्स अमंग अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स एमिक्स्ड मैथड्स स्टडी'' विषय पर डॉ. अजीत सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया।

651 बेटियों को भोजन करवाकर दिए उपहार

जयपुर । चैत्र शुक्ल अष्टमी-नवमी को छोटीकाशी में विभिन्न स्थानों पर वासंतिक नवरात्र के आखिरी दिन कन्या पूजन किया गया। घर-घर में कन्याओं को देवी का रूप मानते हुए आवभगत की गई। कन्याओं को भोजन कराकर उपहार दिए गए। इसी कड़ी में उत्थान सेवा संस्थान की ओर झोटवाड़ा के नांगल जैसा बोहरा स्थित बोहरा जी की बावड़ी में एकादशम् कन्या पूजन एवं वैदिक यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 11 झुग्गी बस्तियों से 651 कन्याओं को वाहनों के माध्यम से नांगल जैसा बोहरा स्थित बोहरा जी की बावड़ी में भोजन कराया गया। सभी बच्चियों का गंगाजल और पुष्प मिले जल से चरण प्रक्षालन कर तिलक किया। सिर पर चूनरी बांधकर आदर भाव से आसन ग्रहण कराया। प्रेम पूर्वक भोजन ग्रहण कराने के बाद वस्त्र और चरण पादुकाएं सहित अन्य उपहार भेंट किए गए। कन्या पूजन के पूर्व राजेश गुप्ता, मनु महाराज और उमाशंकर खंडेलवाल, महेन्द्र भौमियां ने पंच कुंडीय वैदिक गायत्री महायज्ञ कराया। इस अवसर पर मालवीय नगर के विधायक कालीचरण सराफ, सरस डेयरी फेडरेशन की चेयरमैन सोनिला चतुर्वेदी, आरएएस मुरारीलाल शर्मा, उद्योगपति कैलाश चंद बोहरा, पतंजलि योग समिति के प्रदेश अभिभावक कुलभूषण बैराठी, पतंजलि महिला योग समिति की प्रदेश संरक्षिका शारदा यादव, भारत स्वाभिमान राजस्थान के पूर्व प्रभारी अरविंद पांडेय, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी एस एस नागर ने मां दुर्गा और राम दरबार के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उत्थान सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैप्टन शीशराम चौधरी एवं अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया।

उपमुख्यमंत्री ने सुनी जनसमस्याएं

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज अपने सिविल लाइंस स्थित आवास पर जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और उपमुख्यमंत्री को अपनी परेशानियों से अवगत कराया। जनसुनवाई में मुख्य रूप से सड़क, पानी, बिजली, अतिक्रमण और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। लोगों ने अपने-अपने क्षेत्रों की दिक्कतों को विस्तार से रखा, जिस पर उपमुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुनवाई की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और बुनियादी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। अधिकारियों को लंबित मामलों को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश भी दिए गए।

भांकरोटा में कैसीनो पर पुलिस का छापा

5.82 लाख रुपए की नकदी सहित 16 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम पश्चिम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक फार्म हाउस में चल रहे अवैध कैसीनो पर दबिश देकर कैसीनो में मशीनों से जुआ खेलते मिले सात लोगों सहित सौलह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से 5.82 लाख रुपए, 27 मोबाइल, एक लैपटॉप, 6 हुक्के और कैसीनो मशीन जब्त की गई है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि के डीएसटी पश्चिम की टीम ने भांकरोटा थाना इलाके में महापुरा के पास विला नंबर-5 एम्प्रेस ग्रीन्स नाम के फार्म हाउस पर दबिश पर अवैध कैसीनो चलता मिला। फार्म हाउस में चल रहे अवैध कसीनो पर मशीन पर जुआ खेलते मिले प्रदीप लालवानी, रोबिन, शेखर लाल, अशोक कुमार, विक्रम सिंह, विनोद राणा और मोहित मेहता) को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 5.82 लाख रुपए, 27 मोबाइल, एक लैपटॉप, 6 हुक्के और कैसीनो मशीन जब्त की गई है।

■ मौके से 27 मोबाइल, एक लैपटॉप, 6 हुक्के और कैसीनो मशीन जब्त की गई

पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि रेंट पर फॉर्म हाउस को लेकर अवैध कैसीनो संचालित किया गया था। कैसीनो का संचालन प्रदीप लालवानी व रोबिन ने किया था। पकड़े गए लोगों में ज्यादातर राजस्थान से बाहर के है। कैसीनो में कैश में पूरा लेन-देन रखा गया था। जुए में हार-जीत पर रुपए कम पड़ने पर हवाला तक की व्यवस्था कर रखी थी।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी प्रदीप लालवानी व रोबिन की ओर से प्रत्येक व्यक्ति से जुआ खिलाने के लिए रुपए लेकर उनकी एवज में 500-500 रुपए के प्लास्टिक के कॉइन दिए गए थे। प्रत्येक कॉइन की कीमत 500 रुपए है। दोनों आरोपियों की ओर से जुआ खिलाने के एवज में जुआ रकम में से 5 प्रतिशत कमीशन के रूप में प्रॉफिट लेते थे। पुलिस ने दाव लगाने में यूज किए प्लास्टिक के 1165 कॉइन भी जब्त किए है। वहीं पुलिस के कार्रवाई कर विला से निकलने के दौरान वहां मौजूद अन्य लोग धमकियां देकर पुलिस से उलझ गए। पुलिस से मरने-मारने के लिए उतारू होने पर आरोपी हर्षित राज, मोहित शर्मा, संजय सिंघानिया, शिवदास मीणा, अजय कुमार, जितेन्द्र चौधरी, विकास शर्मा, जुगल किशोर और अमित शर्मा को गिरफ्तार किया गया।

सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि कैसीनो में आने वाले ज्यादातर लोग राजस्थान के बाहर के हैं। जिससे यह रैकेट इंटरस्टेट नेटवर्क से जुड़ा होने की आशंका बढ़ गई है। पूरा लेन-देन कैश में होता था और जुए में रकम कम पड़ने पर हवाला के जरिए तुरंत पैसों की व्यवस्था भी की जाती थी। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच में जुट गई है। फार्म हाउस मालिक, फाइनेंशियल लिंक और हवाला कनेक्शन की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। आने वाले दिनों में इस रैकेट से जुड़े बड़े नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

डबल इंजन सरकार में स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं : रघु शर्मा

जयपुर । पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार के आधे कार्यकाल के बावजूद 8 करोड़ जनता के स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने यह बात प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कही।

रघु शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के दौरान चिकित्सा क्षेत्र में मजबूत आधार तैयार किया गया था। नि:शुल्क दवा योजना, नि:शुल्क जांच योजना और 25 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज जैसी योजनाओं से राजस्थान देश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का लक्ष्य हर व्यक्ति तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाना था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासन में महंगी जांचों, जैसे एमआरआई तक को नि:शुल्क योजना में शामिल किया गया था। साथ ही राइट टू हेल्थ कानून लागू कर राजस्थान देश का पहला राज्य बना, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस कानून को ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

उन्होंने जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में आरजीएचएस योजना की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए। रघु शर्मा ने बताया के वे रूटीन जांच के लिए एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे थे। वह आरजीएचएस के तहत एमआरआई कराने गए तो उनको वापस धनवंतरी ब्लॉक जाने के लिए कहा गया। इस अव्यवस्था से नाराज रघु शर्मा ने पैसे देकर बाहर एमआरआई करवाई। कैशलेस सुविधा नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए व्यवस्था की खामियों को उजागर किया।

रघु शर्मा ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल का 24 मंजिला आईपीडी टावर, जिसमें 1200 बेड की सुविधा प्रस्तावित है, आज भी अधूरा पड़ा है। इसी तरह सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय का आईपीडी टावर भी पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान 33 में से 30 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए थे और 17 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार नए जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही है। जालोर में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को भी निरस्त कर दिया गया। रघु शर्मा ने राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बजट आवंटन और भुगतान में भारी अंतर है। जहां मासिक जरूरत 330 करोड़ रुपए की है, वहीं बजट केवल 250 करोड़ रुपये प्रतिमाह का है। साथ ही 1710 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान के कारण निजी अस्पतालों ने इलाज बंद करने की चेतावनी दी है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि जिला अस्पतालों को रेफरल अस्पताल बनाकर छोड़ दिया गया है। जहां पहले 100 डॉक्टर कार्यरत थे, वहां अब केवल 25-26 डॉक्टर रह गए हैं। कैंसर, किडनी और हार्ट जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में आम जनता को भारी आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एमआरआई जैसी जांच के लिए जरूरी हीलियम गैस का आयात इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण प्रभावित हो सकता है।

श्री सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर में पाटोत्सव की धूम मची

जयपुर । श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर विकास समिति, श्री गुरु नानक पार्क मानसरोवर द्वारा आयोजित दो दिवसीय श्रीराम नवमी महोत्सव इस वर्ष 26-27 मार्च को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गुरुवार को मंदिर परिसर में आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष झलक देखने को मिली। महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें हवन, श्रीराम जन्म आरती, भजन संध्या, श्री सुंदरकांड आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं महिला-पुरुष मंडलों के भजन एवं दोहा-चौपाई आधारित अंताक्षरी जैसे आयोजन शामिल हैं। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की सक्रिय भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। महिला मंडल में श्रीमती मधु ग्रोत्रा, सीमा झालानी, विनोद गोस्वामी, सुनीता विजय, हेमा आहूजा, ज्योति चतवानी, अलका गौतम, ऋचा श्रीवास्तव एवं मेघा कंसल ने भजन, अंताक्षरी में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

'दशकों तक दैनिक वेतनभोगी के रूप में काम करवाकर नियमितिकरण का लाभ से नहीं किया जा सकता इंकार'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने 28 साल की सेवा पूरी करने के बाद भी कर्मचारी को नियमितिकरण का लाभ नहीं देने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह अपीलार्थी की प्रारंभिक नियुक्ति तिथि से दस साल होने के बाद उसकी सेवा को नियमित मानते हुए उसे रिटायर परिलाभ दिए जाए।

एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मोहम्मद सदिक की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता एमएफ बेग ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता जून, 1997 में दैनिक वेतनभोगी नियुक्त हुआ था। साल 2000 में उसकी सेवा समाप्त करने पर उसने लेबर कोर्ट में अपील की थी। साल 2009 में लेबर कोर्ट ने उसे निरंतरता के साथ पुन: बहाल करने को कहा। इसके खिलाफ पेश अपील के खारिज होने के बाद उसे अक्टूबर, 2012 में पुन: सेवा में लिया गया, लेकिन नियमित वेतनमान का लाभ और नियमितिकरण पर विचार नहीं किया गया। ऐसे में अपीलार्थी ने विभाग में अपना प्रतिवेदन दिया, लेकिन विभाग ने उसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय कट ऑफ डेट 10 अप्रैल, 2006 तक उसने दस साल की सेवा पूरी नहीं की और उस समय चालक का स्वीकृत पद खाली नहीं था। इसके खिलाफ पेश याचिका को एकलपीठ ने गत 28 अप्रैल को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कट ऑफ डेट के अनुसार उसे नियमित नहीं किया जा सकता। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता ने अपनी प्रारंभिक नियुक्ति से 28 साल तक सेवा दी है और वह गत जुलाई माह में रिटायर हो चुका है। ऐसे में उसे नियमितिकरण का लाभ दिया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं।